P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-7, ISSUE-1, August-2018
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि का अध्ययन

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि का क्षेत्रगत व लिंग के आधार पर अध्ययन करना था। इसमें सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया व कोटा क्षेत्र के 20 शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के 480 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया। अध्ययन के उपरान्त निष्कर्ष प्राप्त हुए कि शिक्षक प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि में क्षेत्र के आधार पर अन्तर होता है तथा महिला व पुरूषों की शिक्षक प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि के परिणामों में भी अन्तर प्राप्त हुआ।

कृष्णकान्त शर्मा
डीन,
शिक्षा संकाय,
कोटा विश्वविद्यालय,
कोटा,राजस्थान
प्राचार्य,
भगवती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय,
गंगापुर सिटी, भारत

कामिनी वर्मा
शोध छात्रा,
कोटा विश्वविद्यालय,
कोटा, राजस्थान
प्राचार्य,
माँ भारती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय,
कोटा,राजस्थान, भारत

मुख्य शब्दः शिक्षण प्रभावशीलता, सांवेगिक बुद्धि।

प्रस्तावना

परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत सत्य है। समय के साथ हो रहे परिवर्तन के प्रति अपनी आँख खुली न रखने वाला समाज भविष्य में अपना अस्तित्व खो देता है। समाज को परिवर्तन के सापेक्ष बनाने का सबसे प्रमुख साधन शिक्षा है, क्योंकि शिक्षा ही समाज को प्रत्येक परिवर्तन में समायोजित होने योग्य बनाती है तथा किसी बालक के सर्वांगीण विकास व उन्नति का साधन है एवं उनके आन्तरिक गुणों को निखार देती है।

शिक्षा के सभी उद्देश्य तभी फलीभूत होते हैं जबकि योग्य कर्मठ व निष्ठावान शिक्षक हों। कुछ लोगों का यह मानना है कि शिक्षक पैदा होते हैं और अध्ययन अध्यापन के लिए मेधावी लोग ही उपयुक्त होते हैं लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि एक कुशल अध्यापक के लिए विषय के ज्ञान के साथ–साथ अपने विषय के प्रस्तुतीकरण व अपनी बात को समझाने की कला में निपुणता होनी चाहिए। जो इस कला में दक्ष होगा, वही विद्यार्थी को स्वस्थ स्थायी अधिगम के लिए प्रेरित कर सकता है।

अध्यापक शिक्षा भावी अध्यापकों के लिए उनकी दक्षता में सुधार तथा उनकी तकनीकी क्षमताओं का विकास करती है। एक अध्यापक छात्र के व्यवहार को आकार देता है। अतः उसे भावात्मक रूप से मजबूत व संतुलित होना चाहिए। प्रशिक्षण स्तर पर भावात्मक बुद्धि को बढ़ाकर छात्राध्यापक की स्वतंत्रतापूर्वक सोचने की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें जिम्मेदार अध्यापक व सम्पूर्ण नागरिक के रूप में विकसित किया जा सकता है।

साहित्यावलोकन

सुनीता मिश्रा एवं संजना यादव (2014)[1]ने वित्त पोषित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में अध्ययनरत व बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण अभिक्षमता का उनकी शिक्षण दक्षता पर प्रभाव का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि बी.एड. प्रशिक्षुओं की उच्च व निम्न शिक्षण अभिक्षमता का उनकी शिक्षण दक्षता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

धर एवं शर्मा (2016)[2] ने जम्मू के जवाहर नवोदय विद्यालय के पुरूष व महिला शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि महिला व पुरूष शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर होता है तथा 15 वर्ष से अधिक अनुभव के महिला शिक्षक, 15 वर्ष से कम अनुभव के पुरूषों की अपेक्षा अधिक प्रभावी होती हैं।

नीवा दोलेव व शोश (2016)[3] ने इजरायल के शिक्षकों पर सांवेगिक बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों की सांवेगिक बुद्धि दक्षता में वृद्धि हुई तथा उन्होंने व्यावसायिक व समूहों में अपने इस व्यवहार को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया।

जनक सिंह (2017)[4] ने शिक्षक प्रशिक्षकों की सांवेगिक बुद्धि का उनकी शिक्षण दक्षता पर प्रभाव का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि महिला

शिक्षक प्रशिक्षकों में पुरूषों की तुलना में अधिक होती है। भावात्मक बुद्धि व शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक सहसंबंध होता है।

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संवेगों में मानसिक असंतुलन व्याप्त है। प्रशिक्षण स्तर पर जबकि प्रशिक्षणार्थी शिक्षण कौशल सीखता है, जिसमें वह छात्रों से अन्तःक्रिया भी सीखता है, ऐसे में प्रशिक्षण स्तर पर सांवेगिक बुद्धि व प्रभावशाली शिक्षण में संबंध ज्ञात करने हेतु अनुसंधानकर्ता का यह एक प्रयास है।

समस्या कथन

माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि का अध्ययन।

अध्ययन के उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर के ग्रामीण एवं शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं सांवेगिक बुद्धि की तुलना करना।
2. माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के महिला एवं पुरुष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि की तुलना करना।
3. माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के महिला एवं पुरुष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि की तुलना करना।

परिकल्पना

1. माध्यमिक स्तर के ग्रामीण एवं शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मध्य शिक्षण प्रभावशीलता एवं सांवेगिक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के महिला एवं पुरुष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मध्य शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के महिला एवं पुरुष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के मध्य शिक्षण प्रभावशीलता व सांवेगिक बुद्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

परिसीमन

प्रस्तुत अध्ययन कोटा विश्वविद्यालय, कोटा से सम्बद्ध शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों तक सीमित था।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में कोटा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय हैं। कुल जनसंख्या लगभग 7000 है। शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का चयन बहुस्तरीय न्यादर्श प्रतिचयन विधि से किया गया है। इस हेतु प्रथम स्तर पर 10 शहरी व 10 ग्रामीण कुल 20 महाविद्यालयों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन व्यवस्थित न्यादर्शन विधि से किया गया है। द्वितीय स्तर पर 480 प्रशिक्षणार्थियों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन की पुनः व्यवस्थित न्यादर्शन विधि से किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध में निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया है:–

1. शिक्षण प्रभावशीलता के मापन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत उपकरण की विश्वसनीयता 0.80 है।
2. सांवेगिक बुद्धि के मापन हेतु एस.के. मंगल द्वारा निर्मित ''मंगल इमोशनल टेस्ट इन्वेन्ट्री'' का प्रयोग किया गया है। इस परीक्षण की विश्वसनीयता 0.90 है।

प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम

सम्पूर्ण न्यादर्श से प्राप्त आँकड़ों का सारणीयन, व्याख्या एवं परिणाम निम्नलिखित हैं:–

सारणी – 1

माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं सांवेगिक बुद्धि में क्षेत्रीय आधार पर सांख्यिकीय स्थिति

	ग्रामीण (240)		शहरी (240)		क्रान्तिक अनुपात (t-मूल्य)
	मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान	प्रमाप विचलन	
शिक्षण प्रभावशीलता	332.22	12.169	442.275	27.15	43.498
सांवेगिक बुद्धि	73.5458	4.9968	80.1916	6.1898	12.98

उपर्युक्त तालिका–1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि ग्रामीण व शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता का मध्यमान क्रमशः 332.22 व 442.275 है तथा क्रान्तिक अनुपात (t-मूल्य) 43.498 है, जो सार्थक स्तर 0.01 के सारणीमान 2.59 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना ''माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है'', अस्वीकृत की जाती है। अर्थात् शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक अनतर है। चूँकि शहरी प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता मध्यमान ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता के मध्यमान से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता अधिक होती है।

सारणी–1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि ग्रामीण व शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि का मध्यमान क्रमशः 73.5458 व 80.1916 है तथा क्रान्तिक अनुपात 12.98 है, जो सार्थकता स्तर 0.01 के सारणी मान 2.59 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना ''माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि में क्षेत्र के आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है'', अस्वीकृत की जाती है। अर्थात् ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के शिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि में अन्तर होता है। चूँकि शहरी क्षेत्र के प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों से

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-7, ISSUE-1, August-2018
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि शहरी शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि अच्छी होती है।

सारणी –2

माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं सांवेगिक बुद्धि में लिंग के आधार पर सांख्यिकीय स्थिति

संकाय	ग्रामीण					शहरी				
	महिला		पुरूष		क्रान्तिक अनुपात (t-मूल्य)	महिला		पुरूष		क्रान्तिक अनुपात (t-मूल्य)
	मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान	प्रमाप विचलन		मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान	प्रमाप विचलन	
शिक्षण प्रभावशीलता	331.875	13.4249	332.5833	14.9243	0.3879	443.2333	13.8082	441.3178	13.6233	1.090
सांवेगिक बुद्धि	74.2416	4.7383	72.854	5.1688	2.1752	81.95	4.7410	78.4833	6.9705	4.4531

सारणी–2 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता के मध्यमान क्रमशः 331.875 व 332.5833 हैं व इनका क्रान्तिक अनुपात 0.3879 है, जो सार्थकता स्तर 0.01 के सारणी मान 2.59 से कम है। अतः परिकल्पना ''ग्रामीण क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर नहीं है'', स्वीकृत की जाती है। अर्थात् ग्रामीण महिला व पुरूषों की शिक्षण प्रभावशीलता में अन्तर नहीं होता है। वर्तमान अध्ययन का यह निष्कर्ष धर व शर्मा (2016) के निष्कर्ष के विपरीत है।

सारणी–2 के अवलोकन से शहरी क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के शिक्षण प्रभावशीलता के मध्यमान क्रमशः 443.233 व 441.3178 है तथा क्रान्तिक अनुपात 8.4823 है। जो कि सार्थक स्तर 0.01 के सारणी मान 2.59 से अधिक है। अतः परिकल्पना ''शहरी क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता में सार्थक अन्तर नहीं है'', अस्वीकृत की जाती है। अर्थात् शहरी महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता में अन्तर होता है। वर्तमान अध्ययन का यह निष्कर्ष धर व शर्मा (2016) के अध्ययन का समर्थन करता है।

सारणी–2 के अवलोकन से यह भी स्पष्ट होता है कि ग्रामीण महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के सांवेगिक बुद्धि का मध्यमान क्रमशः 74.2416 व 72.854 है व क्रान्तिक अनुपात 2.1752 है जो सार्थकता स्तर के 0.01 के सारणी मान 2.59 से कम है। अतः यह परिकल्पना ''ग्रामीण महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है'', स्वीकृत की जाती है। अर्थात् ग्रामीण महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि में अन्तर नहीं होता है।

सारणी–2 के अनुसार शहरी महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों के सांवेगिक बुद्धि के मध्यमान क्रमशः 81.95 व 78.4835 है तथा क्रान्तिक अनुपात 4.4531 है जो सार्थकता अन्तर 0.01 के सारणी मान 2.59 से अधिक है। अतः परिकल्पना ''शहरी क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है'', अस्वीकृत की जाती है अर्थात् शहरी महिला व पुरूषों की सांवेगिक बुद्धि में अन्तर होता है। चूंकि शहरी महिला प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि का मध्यमान ग्रामीण महिला प्रशिक्षणार्थियों से अधिक है अतः यह कहा जा सकता है कि शहरी महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि शहरी पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में अधिक होती है।

निष्कर्ष

शोध के उपरान्त पाया गया कि –

1. ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता शहरी क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में कम पाया गया।
2. ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि शहरी क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में कम प्राप्त हुआ।
3. ग्रामीण क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता में अन्तर नहीं प्राप्त हुआ।
4. ग्रामीण क्षेत्र के महिला व पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि में अन्तर नहीं प्राप्त हुआ।
5. शहरी क्षेत्र के महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता शहरी क्षेत्र के पुरूष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में अधिक पाया गया।
6. शहरी क्षेत्र के महिला प्रशिक्षणार्थियों की सांवेगिक बुद्धि शहरी क्षेत्र के पुरूष प्रशिक्षणार्थियों की तुलना में में अधिक पाया गया।

अंत टिप्पणी

1. *मिश्रा, सुनीता एवं यादव, संजना (2014), ''इम्पेक्ट ऑफ टीचिंग एप्टीटयूड ऑन टीचिंग कॉम्पीटेन्सी ऑफ बी.एड. ट्रेनिंग स्टडिंग इन एडेड एण्ड नॉन एडेड कॉलिजेज'', परिप्रेक्ष्य, अंक–2*
2. *धर, एन. एवं शर्मा, ए. (2016), ''ए स्टडी ऑफ टीचर इफेक्टिवनेस अमंग मेल एण्ड फीमेल टीचर्स टीचिंग इन जवाहर नवोदय विद्यालय ऑफ प्रोक्सि'' रशियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी एण्ड एज्यूकेशन वॉल्यूम 49, नं. 1–2, पी.पी. 8–21*

3. *नीवा, डोलिव एवं लेशय, शोश (2016), ''टीचर्स इमोशनल इंटेलिजेन्स : द इम्पेक्ट ऑफ ट्रेनिंग'' इ इमोशनल जर्नल ऑफ इमोशनल एज्यूकेशन, वॉल्यूम 8, इश्यू–I , पी.पी. 75–94*
4. *सिंह, जनक (2017), ''इम्पेक्ट ऑफ इमोशनल इंटेलीजेन्स ऑन टीचर एज्यूकेटर्स इफेक्टीनेस'', आई. जे.ए.आर.आई.आई.ई., वॉल्यूम–3, इश्यू–4, पी.पी. 2333–2347*
5. *मंगल, एस.के. (2004), ''मंगल इमोशनल इंटेलीजेन्स इन्वेन्ट्री'', आगरा साइक्लोजिकल रिसर्च सैल।*